**प्रश्न: 'राज्य प्रायोजित आतंकवाद' (State-sponsored Terrorism) से आप क्या समझते हैं?**

**उत्तर:**

**परिचय:**

साधारण शब्दों में, जब कोई संप्रभु देश (Sovereign State) प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवादी समूहों को अपना समर्थन, धन, हथियार या प्रशिक्षण प्रदान करता है ताकि वह दूसरे देश के विरुद्ध अपने राजनीतिक या रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा कर सके, तो इसे **'राज्य प्रायोजित आतंकवाद'** कहा जाता है।

यह आतंकवाद का सबसे घातक रूप है क्योंकि इसमें आतंकवादियों के पीछे एक पूरे देश की शक्ति, संसाधन और खुफिया एजेंसियां खड़ी होती हैं।

### राज्य प्रायोजित आतंकवाद की मुख्य विशेषताएँ

इस अवधारणा को निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से बेहतर समझा जा सकता है:

### 1. वित्तीय और सैन्य सहायता (Financial and Military Support)

आतंकवादी समूहों को भारी मात्रा में धन, आधुनिक हथियार, विस्फोटक और संचार उपकरण सीधे राज्य की ओर से उपलब्ध कराए जाते हैं। इससे उनकी मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाती है।

### 2. सुरक्षित ठिकाने और प्रशिक्षण (Safe Havens and Training)

प्रायोजक देश अपनी धरती पर आतंकवादियों को 'सेफ हाउस' और प्रशिक्षण कैंप चलाने की अनुमति देता है। अक्सर उनकी सेना या खुफिया एजेंसियां ही इन आतंकवादियों को युद्ध और घुसपैठ की ट्रेनिंग देती हैं।

### 3. 'प्रॉक्सि वॉर' या छद्म युद्ध (Proxy War)

जब कोई देश किसी दूसरे देश से सीधे युद्ध (Direct War) करने की स्थिति में नहीं होता या युद्ध के खर्च और अंतरराष्ट्रीय दबाव से बचना चाहता है, तो वह आतंकवादियों का सहारा लेता है। इसे 'छद्म युद्ध' कहा जाता है, जहाँ आतंकवादी उस राज्य के 'सैनिकों' के रूप में काम करते हैं।

### 4. विश्वसनीय अस्वीकार्यता (Plausible Deniability)

राज्य प्रायोजित आतंकवाद की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि प्रायोजक देश हमेशा इन गतिविधियों में अपनी संलिप्तता से इनकार करता है। वह यह दावा करता है कि ये 'गैर-राज्य अभिकर्ता' (Non-state actors) अपनी मर्जी से काम कर रहे हैं और उनका राज्य से कोई लेना-देना नहीं है।

### राज्य प्रायोजित आतंकवाद के उद्देश्य

कोई भी देश आतंकवाद का समर्थन क्यों करता है? इसके पीछे निम्नलिखित रणनीतिक कारण होते हैं:

- **पड़ोसी देश को अस्थिर करना:** विकास को बाधित करना और आंतरिक अशांति फैलाना।
- **कम खर्च में युद्ध:** नियमित सेना के मुकाबले आतंकवादियों के जरिए युद्ध लड़ना सस्ता पड़ता है।
- **क्षेत्रीय प्रभुत्व:** अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार करना।
- **धार्मिक या विचारधारा का प्रसार:** कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देना।

### भारत का अनुभव और वैश्विक उदाहरण

- **भारत और पाकिस्तान:** भारत लंबे समय से पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित 'सीमा पार आतंकवाद' (Cross-border Terrorism) का शिकार रहा है। जम्मू-कश्मीर और भारत के अन्य हिस्सों में होने वाली आतंकवादी गतिविधियों के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI की संलिप्तता के प्रमाण दुनिया के सामने रहे हैं।
- **अन्य उदाहरण:** ईरान पर अक्सर लेबनान के 'हिजबुल्लाह' जैसे समूहों को समर्थन देने का आरोप लगता है। इसी प्रकार, अतीत में लीबिया और अफगानिस्तान (तालिबान शासन के दौरान) भी इसके उदाहरण रहे हैं।

### निष्कर्ष

राज्य प्रायोजित आतंकवाद अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का खुला उल्लंघन है। जब तक दुनिया के देश आतंकवाद को 'अच्छे' और 'बुरे' आतंकवाद में बांटना बंद नहीं करेंगे और प्रायोजक देशों पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध (जैसे FATF की ग्रे लिस्ट) नहीं लगाएंगे, तब तक इस समस्या का समाधान संभव नहीं है।

**Question: What do you understand by 'State-sponsored Terrorism'?**

**Answer:**

**Introduction:**

In simple terms, when a Sovereign State directly or indirectly provides its support, funding, weapons, or training to terrorist groups to achieve its political or strategic objectives against another country, it is called **'State-sponsored Terrorism'**.

This is the most lethal form of terrorism because a terrorist organization is backed by the power, resources, and intelligence agencies of an entire country.

**Key Characteristics of State-sponsored Terrorism**

This concept can be better understood through the following points:

**1. Financial and Military Support**

Terrorist groups are directly provided with massive amounts of money, modern weapons, explosives, and communication equipment by the state. This increases their striking power many times over.

**2. Safe Havens and Training**

The sponsoring country allows terrorists to run 'safe houses' and training camps on its soil. Often, its own military or intelligence agencies provide these terrorists with training in warfare and infiltration.

**3. 'Proxy War'**

When a country is not in a position to engage in a Direct War with another country or wants to avoid the costs and international pressure of war, it takes the help of terrorists. This is called 'Proxy War,' where terrorists act as the 'soldiers' of that state.

**4. Plausible Deniability**

The biggest characteristic of state-sponsored terrorism is that the sponsoring country always denies its involvement in these activities. It claims that these 'Non-state actors' are working on their own accord and have no connection with the state.

**Objectives of State-sponsored Terrorism**

Why does any country support terrorism? The following strategic reasons lie behind it:

- **Destabilizing the Neighboring Country:** To disrupt development and spread internal unrest.
- **Low-Cost Warfare:** Fighting a war through terrorists is cheaper compared to a regular army.
- **Regional Dominance:** To expand its sphere of influence.
- **Spread of Religion or Ideology:** To promote radical ideology.

**India's Experience and Global Examples**

- **India and Pakistan:** India has long been a victim of 'Cross-border Terrorism' sponsored by Pakistan. Evidence of the involvement of Pakistan's intelligence agency ISI in terrorist activities in Jammu and Kashmir and other parts of India has been presented to the world.
- **Other Examples:** Iran is often accused of supporting groups like 'Hezbollah' in Lebanon. Similarly, Libya and Afghanistan (during the Taliban regime) have been examples in the past.

**Conclusion**

State-sponsored terrorism is the biggest threat to international peace and security. It is a clear violation of international law and the UN Charter. Until the world's countries stop dividing terrorism into 'good' and 'bad' terrorism and impose strict economic sanctions (like the FATF's Grey List)

on sponsoring countries, a solution to this problem will not be possible.